Closing of M/s. Assam Sillimenite Factory at Ranchi Road Bihar

4039. SHRI HARI KISHORE SINGH: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether M/s. Assam Sillimenite Factory at Ranchi Road Bihar is lying closed since long;

(b) whether there have been serious cases of financial malpractices in factory;

(c) whether precious and valuable machines imported from abroad have either been sold at black market prices or are lying in Bombay and other ports;

(d) whether the workers of the said factory had submitted a memorandum to Prime Minister for taking over of the factory; and

(e) if so, the reaction of Government thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SUBODH HANSDA): (a) to (c). and (e). According to the information received by Government, the Refractory Plant (belonginfg to M/s. Assam Sillimenite Limited) situated near Ramgarh, in Hazaribagh District, Bihar was closed down on 28th June, 1972. The construction/erection of the various units of the plant had not been completed and certain essential equipments had been lying in Calcutta Port for a number of years. Some of these equipments had also been auctioned by the Port authorities for non-payment of Port dues. The financial position of the Company was also unsatisfactory. The management of the Refractory Plant was taken over by Government under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, for a period of 3 years by a Notification dated the 2nd November, 1972. M/s. Hindustan Steel Limited have been authorised to manage the Refractory Plant during this period.

(d) Yes, Sir.

Rice in Price of Truck Chassis

4040. SHRI HARI KISHORE SINGH: Will the Minister of HEAVY INDUSTRY be pleased to state the reaction of Government to the phenomenal rise in the price of truck chassis, especially of Tata, Merceds, Beng and Ashow Leyland make?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): Government have been concerned with the rising prices of trucks and have, therefore, asked the Bureau of Industrial Costs and Prices to undertake a cost investigation of all units manufacturing commercial vehicles and recommend fair selling prices for them.

जस्ते, ताम्बे के निक्षेपों तथा तेल के कुओं के लिये मध्य प्रदेश के भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा किया गया सर्वेक्षण

4041. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा मध्य प्रदेश के उन भागों में सर्वेक्षण किया गया है जहां जस्ते, तांबे के निक्षेप और तेल के कुंए भारी मात्रा में उपलब्ध हैं; और

(ख) यदि नहीं, तो क्या उनके मंत्रालय का विचार बंद्रा भूगर्भीय सर्वेक्षण करने का है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सुखदेव प्रसाद) : (क) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण संस्था द्वारा मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में तांबा, सीसा और जस्ता अयस्कों के निक्षेपों की स्थिति की जानकारी के लिए प्रारम्भिक अन्वेषण कार्य किए गए थे और अभी भी किए जा रहे हैं। बालाघाट जिले के मालंजखण्ड में तांबे के एक बड़े निक्षेप का पता लगा है जिसमें 1.37 प्रतिशत ताम्रांश का 500 लाख टन का भण्डार है। अभी तक मध्य प्रदेश में जस्ता अयस्क

के किसी निक्षेप का पता नहीं लगा है। मध्य प्रदेश इलाके में तेल के कुएं होने की भी कोई जानकारी नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

कुसुमुंडा क्षेत्र कोरबा (मध्य प्रदेश से कोयले का उत्पादन

4042. **श्री गंगाचरण दीक्षित:** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय कोयला विकास निगम ने कोरबा (मध्य प्रदेश) के बारे में सूचित किया है कि कुसुमुंडा क्षेत्र में वर्ष 1976-77 तक कोयले का उत्पादन 8 लाख टन हो जायेगा जो कि वर्तमान खानों के 24 लाख टन के उत्पादन को मिला कर कुल 32 लाख टन हो जायेगा ;

(ख) क्या राष्ट्रीय कोयला विकास निगम द्वारा प्रस्तुत कोयले के उत्पादन में वृद्धि के कार्य क्रम को कोरबा में मध्य प्रदेश विद्युत् मंडल द्वारा बिजली के प्रस्तावित अतिरिक्त प्रजनन के लिए पर्याप्त माना गया है; और

(ग) क्या सरकार का विचार इस कार्य क्रम को आगे बढ़ाने के लिए कार्यवाही करने का है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : (क) से (ग) जी हां।

सरगुजा जिला (मध्य प्रदेश) में सरकारी क्षेत्र में कम ताप वाला कोयला तैयार करने के संयंत्र (लो टेम्परेचर कोल कार्बोनाइजेशन प्लांट) की स्थापना

4043. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार के कहने पर केन्द्रीय ईंधन अनुसंधान संस्थान, जीलगोरा ने ओकिट ओकाष्ट का अध्ययन किया है तथा कटकोना कोयला खानों की उपयोगिता के बारे में संभावना प्रतिवेदन से यह स्पष्ट हो गया है कि कटकोना कोयला खानों से तैयार किया गया एल० टी० सी० कोयला (कम ताप वाला कोयला) अच्छी किस्म का है और इसका उपयोग न केवल धूमरहित ईंधन के रूप में हो सकता है बल्कि अन्य औद्योगिक कार्यों तथा विशिष्ट रूप से फेरो अलाय के निर्माण में भी हो सकता है ;

(ख) क्या सरगुजा जिले में सरकारी क्षेत्र के अधीन एक कम ताप वाला कोयला बनाने वाले संयंत्र की स्थापना के प्रश्न पर इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा विचार किया जाना है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

इस्पात और खान मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सुबोध हंसदा) : (क) और (ख) जी, हां।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।